an>

Title: The Speaker suspended 25 Members from the service of the House for five consecutive sittings of the House i.e. 3rd to 7th August, 2015 under Rule 374 A.

HON. SPEAKER: Shri B.N. Chandrappa, Shri Santokh Singh Chaudhary, Shri A.H. Khan Chowdhury, Kumari Sushmita Dev, Shri R. Dhruvanarayana, Shri Ninong Ering, Shri Gaurav Gogoi, Shri Gutha Sukender Reddy, Shri Deepender Singh Hooda, Shri Kodikunnil Suresh, Dr. Thokchom Meinya, Shri S.P. Muddahanume Gowda, Shri Abhijit Mukherjee, Shri Mullappally Ramchandran, Shri K.H. Muniyappa, Shri B.V. Naik, Shri Vincent H. Pala, Shri M.K. Raghavan, Shrimati Ranjeet Ranjan, Shri C.L. Ruala, Shri Tamradhwaj Sahu, Shri Rajeev Satav, Shri Ravneet Singh, Shri D.K. Suresh, Shri K.C. Venugopal, I am naming all of you.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am naming all of you. Please keep all your posters outside, and go to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Further, I am requesting their Leaders to see to it that I am naming all of them.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Rama Kishore Singh. Is he present in the House?

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am sorry. Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह बिल्कुल गलत है। मेरी रिक्वेस्ट है आप सभी लीडर्स को, मैंने आप सभी को मीटिंग में बुलाया था और कहा था, रिक्वेस्ट की थी कि कम से कम पोस्टर्स और वेल में आना, दोनों बातें हम कम कर ही सकते हैं सदन के लिए। विरोध के अनेक रास्ते हैं। मेरी फिर से रिक्वेस्ट है।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Again, I am naming.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप लीडर्स प्लीज ध्यान दें, मुझे स्ट्रिंजेंट एक्शन के लिए मजबूर न करें।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: You cannot say anything when you are standing in the Well of the House. This is not the way.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैं कब से देख रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, you cannot do this.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Again, I am naming.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप खलल डाल रहे हो।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri B.N. Chandrappa, Shri Santokh Singh Chaudhary, Shri A.H. Khan Chowdhury, Kumari Sushmita Dev, Shri R. Dhruvanarayana, Shri Ninong Ering, Shri Gaurav Gogoi, Shri Gutha Sukender Reddy, Shri Deepender Singh Hooda, Shri Kodikunnil Suresh, Dr. Thokchom Meinya, Shri S.P. Muddahanume Gowda, Shri Abhijit Mukherjee, Shri Mullappally Ramchandran, Shri K.H. Muniyappa, Shri B.V. Naik, Shri Vincent H. Pala, Shri M.K. Raghavan, Shrimati Ranjeet Ranjan, Shri C.L. Ruala, Shri Tamradhwaj Sahu, Shri Rajeev Satav, Shri Ravneet Singh, Shri D.K. Suresh, Shri K.C. Venugopal, all of you please go to your seat. I am naming you.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Otherwise, I will have to take stringent action.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैं चेतावनी भी दे रही हूं और आपके लीडर्स को भी कह रही हूं।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Please see to it that they should go to their seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I am requesting them again and again.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम स्पीकर, देखिए...(व्यवधान) हम नौ दिनों से न्याय मांग रहे हैं। गवर्नमेंट का अटेंशन ड्रॉ कर रहे हैं। ...(व्यवधान) और हम गवर्नमेंट का यह बात मनवाना चाहते थे पीसफुल तरीके से। ...(व्यवधान) हमने यह बात रखी कि छोटी-छोटी चीजों पर...(व्यवधान) पहले जब यह सरकार थी, उसके मंत्रियों को राजीनामा देने के लिए उन्होंने कहा। लेकिन आज उनके लोग...(व्यवधान) उन लोगों ने जो प्रथा डाली है, वही हम पूछ रहे हैं, पहले रेजिगनेशन कराइए, उसके बाद डिसकशन करेंगे।...(व्यवधान) सारा सदन शान्त हो जाएगा।...(व्यवधान) आल पार्टी मीटिंग में भी हमने यही कहा था, आपके सामने भी यही कहा था।...(व्यवधान) हम चाहते हैं कि अगर शांति से हाउस चलना है तो पहले उनका रेजिगनेशन लीजिए। उन्होंने जो तरीका अपनाया है, वही तरीका आज आपके सामने रखा है।...(व्यवधान) लेकिन हमको बात करने का मौका नहीं देते हैं।

माननीय अध्यक्ष: मैं केवल हाउस चलाने की बात कर रही हूं।

...(व्यवधान)

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): मैडम, इस विषय पर कोई डिबेट की गुंजाइश नहीं है। आपने उन्हें विशेष तौर पर यह कहा है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने आपकी बात सुन ली। राजनाथ सिंह जी कुछ कहना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: हमें आकर वैल में डराते हैं। सबसे कहते हैं कि तुम विदड्रा हो जाओ, नहीं तो हम तुम्हें शिक्षा देंगे। अगर वैल में आकर सबको डराते हैं, तो यह क्या पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपको भी रिक्वेस्ट कर रही हूं और सबको रिक्वेस्ट कर रही हूं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं अपनी जगह पर हूं। मैंने कभी भी गलत तरीके से बात नहीं की है।

HON. SPEAKER: I myself am requesting everybody, but still you are not listening to me.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हरेक से जाकर वह मिल रहे हैं और बोल रहे हैं कि आप विदड्रा हो जाओ, नहीं तो आपको सस्पेंड करेंगे। अगर ऐसे डराएंगे तो यह अच्छा नहीं है। मैडम, यह ठीक नहीं है और हम चाहते हैं कि आप रेज़ीग्नेशन लीजिए। पहले ऐसा ही हुआ था...(व्यवधान) वही डिमांड हम कर रहे हैं।

...(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, लोकतंत्र में विपक्ष के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। बराबर विपक्ष द्वारा यह मांग की जा रही है कि हमारे मंत्रीगण त्यागपत्र दें। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमारे किसी भी मंत्री के खिलाफ न तो कोई एफ.आई.आर. है, न तो किसी के खिलाफ प्राइमा फेसी का केस बनता है और न तो सी.वी.सी. ने अपनी रिपोर्ट में किसी भी मंत्री को पाइंट आउट किया है और न ही कोर्ट का जजमेंट हमारे किसी मंत्री के खिलाफ आया है। इसलिए त्यागपत्र देने का कोई औचित्य नहीं है। इससे पहले इसी संसद में हम लोगों ने विपक्ष की भूमिका निभाई थी, लेकिन विपक्ष की भूमिका निभाते हुए हमने त्यागपत्र की मांग की, लेकिन कभी भी हम लोग चर्चा से नहीं भागे हैं, यह मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं। हेल्दी डेमोक्रेसी में चर्चा की एक अहमयित होती है, मैं समझता हूं कि हेल्दी डेमोक्रेसी में विपक्ष का अगर विश्वास है, कांग्रेस का विश्वास है तो उसे भी चर्चा में भाग लेना चाहिए। चर्चा कराने के लिए, चर्चा करने के लिए हम हमेशा तैयार हैं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Again and again, I am requesting you to go back to your seats.

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इससे बड़ा और न्याय नहीं हो सकता है।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Again and again, I am naming you and requesting you, but you are not listening to me.

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैंने खड़गे जी को बोलने की अनुमति दी थी।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Now, I will have to take action. I am sorry, Prof. Saugata Roy, nobody is listening to me. कोई कुछ मत बोलना, क्योंकि ऐसा है..

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Deepender Singh Hooda, you cannot speak to me like that. I am sorry, you cannot speak like that. मैंने खुद सबकी बैठक बुलाई थी। मैंने सबको रिक्वेस्ट की थी की कम से कम दूसरे रास्ते अपनाओ।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Prof. Saugata Roy, I am saying this for the last eight days. चर्चा करने के लिए आप और सरकार देख लो और करो। मगर प्लैकार्ड्स दिखाना, इस तरीके से

हाउस डिस्टर्ब करना, यह नहीं चलेगा।

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Prof. Saugata Roy, I am sorry to say that nobody is helping me. आपके कहने से एक बार माफ किया था, परसों किया, कोशिश की। There are so many ways to raise the issue. क्या हुआ था? What their reply was?

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सुदीप जी, क्या सुनें?

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Sudip ji, I am also very much disturbed. उस दिन आपने रिक्वैस्ट किया था और माफी के लिए बोला था, लेकिन उसके बाद क्या हुआ? You have seen it. But today, really I am not. आप अपनी बात रख सकते हैं, लेकिन मैं उस मनःस्थिति में आज वास्तव में नहीं हूं। मैंने बैठक में भी कहा था कि आप लोग पोस्टर्स मत दिखाइए। कहीं तो हमें आना होगा या सालों से जो चल रहा है, उसको आगे लेकर जाते रहें और गड्ढे में ले जाएं? हम क्या करना चाहते हैं? किसी एक अच्छे मोड़ पर हम आना ही नहीं चाहते हैं। मैंने कहा था कि आप पोस्टर्स मत दिखाइए।...(व्यवधान) इन्होंने किया, इसलिए आप करेंगे। उन्होंने किया इसलिए वह करेंगे। Should it go on या कहीं इसे रुकना चाहिए? कम से कम इतना तो कीजिए। बाकी मेरा कुछ नहीं कहना है। आप जितना बोलना चाहते हैं, बोलिए। जितने नियम हैं, उनके अंतर्गत बोलिए। I have given that. मैं पिछले आठ दिन से बोल रही हूं कि I am ready. मैं उनको भी बोलूंगी कि आपकी बात सुनें। यह मेरा काम है। Yes, I will do it. But this is not the way. यहां तीन सौ-सवा तीन सौ सांसद बोलना चाहते हैं, आप लोग भी अपनी बात रखना चाहते हैं, बीजेडी के लोग भी अपनी बात रखना चाहते हैं, जेडीयू के सांसद भी अपनी बात उठाना चाहते हैं। सभी का एक ही मुद्दा नहीं है। I am ready. उन सभी को मौका मिलना चाहिए। सीपीआई के सदस्य अगर कुछ बोलना चाहते हैं, I will give them the time. Why not? लेकिन यह लोग किसी को बोलने दें तो न? यह कोई तरीका होता है। सुदीप जी आप बोलिए लेकिन Today, I am not going to listen to anything.

...(*Interruptions*)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, our parliamentary practice and parliamentary democratic system is no doubt the most accepted, the most praised democratic system in the world. We believe that you are certainly trying to keep it functioning and running. You are taking all your efforts so that it runs smoothly. We believe that all of us are representing multi-coloured parliamentary democratic system. We are making our submissions.

HON. SPEAKER: I am helping you also. You want to discuss that issue.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : We are trying to see that the House runs smoothly. A few minutes back, we came from an all-party meeting called by Shri Venkaiah Naiduji where Shri Khargeji, Shri Ghulam Nabi Azadji and all other leaders of different political parties including we made our submissions. We are all of the opinion that the House should run. How? If the Indian National Congress Party, the major Opposition Party sticks to its demand and if the Ruling Party does not accept their demand, the House will never be able to run.

Insofar as the question of suspension is concerned, you are repeatedly saying about the rules – not to show the posters. Somewhere we also want to share your sentiments. To make the parliamentary democratic system more powerful and strong, I would request you not to take these steps of taking names and suspending from the House. It is my humble submission.

HON. SPEAKER: Then what should I do? There are Demands pertaining to Railways. What should I do? मेरे अपने कान बंद होने की स्थिति में है, क्या वह भी मैं सहन करूं?

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: As we are working together on the floor of the House, somewhere or sometimes this problem will certainly be solved. We have to solve it. ...(*Interruptions*) What I want to say is that today or tomorrow the solution will come out. Today or tomorrow, any time, any moment, the solution may come out because we are all responsible political parties.

HON. SPEAKER: You give me guarantee.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : We hope that. It is not that pious wishes will be implemented very soon. But my only request at this moment is that situation should not be allowed to be more worsened by naming or by suspension of any Member from the House. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Can you give me guarantee that tomorrow it is going to happen? Are you giving a guarantee?

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : No, Madam. I can give guarantee of my own Party. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मुझे इतने से लोगों को ही नहीं, बाकी तीन सौ से ज्यादा लोगों को देखना है। Everybody wants to say something.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: If everybody wants to speak, what can I do?

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I can give guarantee of my own party that we are not coming to the well.

HON. SPEAKER: Again they are doing like this, shadowing the Ministers. Is this the way? अगर किसी भी बात पर हम अनुशासन का पालन नहीं करते तो कैसे काम चलेगा।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Madam, this is the first time that some Ruling Party Members also came into the House with posters in hand. It has never happened before.

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है, आप भी समझिये, प्लैकार्ड भी विदड्रा नहीं करोगे, आप कुछ भी नहीं करोगे, फिर हम कहां आयेंगे। यहां पर आकर is it a way सबके सामने खड़े रहना और प्लैकार्ड दिखाना।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुदीप बन्दोपाध्याय: मैडम, रूलिंग पार्टी के लोग भी प्लैकार्ड लेकर आये थे। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपके कहने से मैं आपको समय देती हूं, आपके कहने से अगर वे अभी प्लैकार्ड विदड्रा करते हैं then I will give you time. Will they? Will you try? I am giving you five minutes. I am sitting here. Ask them to withdraw the placards.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY: Madam, I always want that you should not suspend anybody or name somebody. If that happens, the situation will be worsened in future.

माननीय अध्यक्ष : आप सबके लिए स्पीकर कुछ है ही नहीं, मैंने सबको बुलाया था, मैंने सबसे रिक्वैस्ट की थी। Is anybody helping me?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लैकार्ड विदड्रा करने में अगर कोई हैल्प करने वाला हो तो मैं उसी की बात सुनूं नहीं तो सुनकर क्या करूं। They are not even ready to do that.

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव प्रताप रूडी: महोदया, आपने बड़े संयम के साथ और बड़े हित के साथ एक सुझाव दिया, आपने कल सर्वदलीय बैठक में सिर्फ दो आग्रह किये थे, आपने यह कहा था कि राजनीतिक मसला आप सुलटायें, आपके सदन के सामने सिर्फ दो आग्रह थे कि प्लैकार्ड और बैनर्स लेकर नहीं आएं और सदन के वैल में नहीं आएं, इसके अतिरिक्त स्पीकर महोदया आपने कुछ नहीं कहा। आपने कहा कि जो भी राजनीतिक मामला है, वह आपस में सुलझाएं, लेकिन प्लैकार्ड सदन के भीतर लेकर नहीं आओ और सदन के बीच में मत आओ, इन्हीं दो विषयों पर आपने बैठक बुलाई थी और इसमें सब लोगों ने भाग लिया। आज श्री सुदीप बन्दोपाध्याय जो बात कर रहे हैं, वह बिल्कुल सही कह रहे हैं, हम लोग भी उनकी बात से सहमत हैं। लेकिन हमारा आग्रह है कि अगर सुदीप बन्धोपाध्याय यह कह रहे हैं तो उनके आग्रह पर ही माननीय सदस्य अपने प्लैकार्ड हटा दें और सदन के बीच में जो माननीय सदस्य हैं, वे वले जाएं। आपने जो बात कही, हम भी उस बात से सहमत हैं और श्री सुदीप बंधोपाध्याय की बात से भी सहमत हैं। लेकिन महोदया अगर ये माननीय सदस्य आपके पास आकर इन विषयों पर भी सहमति प्रदान नहीं करेंगे, हम बहस के लिए तैयार हैं। देश के समक्ष या सदन में हर प्रकार की बहस लाई जायेगी या भविष्य में जो मुद्दा रखा जायेगा, उसके लिए हम तैयार हैं। हम श्री सुदीप बंधोपाध्याय के उस बयान से हम पूरी तरह सहमत हैं कि सभी सदस्य अपने स्थानों पर वले जाएं, वे प्लैकार्ड हटा लें, सदन के फ्लोर से वले जाएं और सदन की कार्रवाई चलने दें। उन्हें जितने भी नारे लगाने हैं, अगर वे अपनी सीट पर जाकर लगायें तो भी एक सहमति बन सकती है, लेकिन जिस प्रकार से सदन की कार्रवाई बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है।

मैं सफाई देना चाहूंगा कि माननीय खड़गे जी ने यह कहा कि मैंने सदन के वैल में जाकर लोगों को धमकी दी है, यह सरासर गलत है। मैंने अपने कम्युनिस्ट पार्टी के मित्रों के पास जाकर विमर्श किया है कि इस प्रकार से इस विषय को रखना अनुचित है।

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam Speaker, there was an all-party meeting convened by the Minister of Parliamentary Affairs, but unfortunately there was no consensus of opinion. This is not the first time that the House is disturbed. I was a Member in 2010 when the BJP leaders stalled the House for one month and no action was taken. Punishing a Member is not a solution. The Government has to take the initiative. There are two issues raised by the opposition parties. The Government has to take a decision on them. Then only we can have smooth functioning of the House. ...(*Interruptions*) Madam, you know it as you were here. ...(*Interruptions*) We stalled the House for one month. No action was taken.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Sarvashri B.N. Chandrappa, Santokh Singh Chaudhary, Abu Hasem Khan Chowdhury, Kumari Sushmita Dev, R. Dhruvnarayan, Ninong Ering, Gaurav Gogoi, Gutha Sukhendra Reddy, Deepender Singh Hooda, K. Suresh, Dr. Thokchom Meinya, S.P. Muddahanume Gowda, Abhijit Mukherjee, Mullappally Ramchandran, K.H. Muniyappa, B.V. Naik, Vincent Paula, M.K. Raghavan, Shrimati Ranjeet Ranjan, C.L. Ruala, Tamradhwaj Sahu, Rajeev Satav, Ravneet Singh, D.K. Suresh and K.C. Venugopal, you have come to the Well of the House and you are abusing the rules of the House. By persistently and willfully obstructing the business of the House by your willful and persistent obstruction, grave disorder is being occasioned.

I am, therefore, constrained to name you under rule 374A.

All these names whichever I have taken stand automatically suspended from the service of the House for five consecutive sittings in terms of provision of rule 374A. They may forthwith withdraw from the precincts of the House.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again tomorrow at 1100 a.m.

15.28 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Tuesday, August 4, 2015/ Shravana 13, 1937 (Saka).

* ण्ड्ढ म्श्न्द अ ठ्ठिद्धत्ड्ढड्ड ठ्ठडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दठ्ठड्ढे द्दढ ठ्ठ ग्ड्ढश्ड्डड्ढद्ध त्दड्डत्ज्ञठ्ठय्ड्ढप्त् ण्ठ्ठद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्द्दद ठ्ठिप्त् ठ्ठज्य्द्वठ्ठथ्न्न् ठ्ठत्ड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढथ्द्दद्द्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ ड्न्न्
ण्ठ्ठद्य् ग्ड्ढश्ड्डड्ढद्ध.

* च्द्रड्ढड्ढज्ञण् ठ्ठिप्त् थ्ठ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठिडथ्ड्ढ.

* Eदथ्त्द्भर्ण् य्द्धठ्ठदथ्ठ्ठय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढज्ञण् द्दद्धश्त्दठ्ठथ्न्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ठ्ठित्र्थ्.

* Lठ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठिडथ्ड्ढ